



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 83]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 31, 1992/माघ 11, 1913

No. 83]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 31, 1992/MAGHA 11, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

केन्द्रीय प्रपत्र कर बोर्ड

अधिमूचना

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1992

का आ 91(अ) --केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख
की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग
करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग)
की अधिमूचना स. का आ 392 (अ), तारीख 31
मई, 1989 में निम्नलिखित और संशोधन करती है,
अर्थात् --

उक्त अधिमूचना की मारणी में, "सम्बन्धित प्राधि-
करण, अहमदाबाद" से संबंधित क्रम सं 3 के सामने स्तंभ

3 में, विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रवि-
ष्टियाँ रखी जाएगी, अर्थात् --

"(1) गुजरात नगर योजना और शहरी विकास अधि-
नियम, 1976 (1976 का गुजरात अधिनियम
सं. 27) की धारा 22 के अर्धीन गुजरात
राज्य सरकार द्वारा "अहमदाबाद शहरी विकास
क्षेत्र" के रूप में घोषित क्षेत्र और मुम्बई
प्रांतीय नगर निगम अधिनियम, 1949 (1949
का मुम्बई अधिनियम सं 59) जैसा कि वह
गुजरात राज्य को लागू है, की धारा 3 के अधीन
गठित अहमदाबाद नगर में समाविष्ट क्षेत्र,

(2) गुजरात नगर योजना और शहरी विकास अधि-
नियम, 1976 (1976 का गुजरात अधिनियम
सं 27) की धारा 22 के अर्धीन गुजरात राज्य
सरकार द्वारा "सूरत शहरी विकास क्षेत्र" के
रूप में घोषित क्षेत्र और मुम्बई प्रांतीय नगर

नियम अधिनियम, 1949 (1949 का मूम्बई अधिनियम स 59) जैसा कि वह गुजरात राज्य को लागू है, की धारा 3 के अधीन शक्ति सूत्र नगर में समाविष्ट क्षेत्र,

- (3) गुजरात नगर योजना और शहरी विकास अधिनियम, 1976 (1976 का गुजरात अधिनियम स 27) की धारा 22 के अधीन गुजरात राज्य सरकार द्वारा "वडोदा शहरी विकास क्षेत्र" के रूप में घोषित क्षेत्र और मूम्बई प्रांतिय नगर नियम अधिनियम, 1949 (1949 का मूम्बई अधिनियम स 59) जैसा कि वह गुजरात राज्य को लागू है, की धारा 3 के अधीन शक्ति वडोदा नगर में समाविष्ट क्षेत्र,
- (4) मध्य प्रदेश नगर तथा ग्राम निवेश अधिनियम, 1973 (1973 का स 23) के अर्थान्तर्गत "इंदौर विकास प्राधिकरण" में समाविष्ट क्षेत्र,
- (5) मध्य प्रदेश नगर नियम अधिनियम, 1956 (1956 का स 23) के अर्थान्तर्गत 'भायल नगर नियम' में समाविष्ट क्षेत्र,
- (6) मूम्बई प्रांतिय नगर नियम अधिनियम, 1949 (1949 का मूम्बई स 59) के अर्थान्तर्गत 'पुणे नगर' में समाविष्ट क्षेत्र,
- (7) मूम्बई प्रांतिय नगर नियम अधिनियम 1949 (1949 का मूम्बई स 59) के अर्थान्तर्गत 'पुणे नगर' में समाविष्ट क्षेत्रों में सिन्न (शहरी भूमि) अधिकतम सीमा और विनियमन अधिनियम, 1976 की अनुसूची 1 के अर्थान्तर्गत 'पूना शहरी शक्तियां' में समाविष्ट क्षेत्र, और
- (8) नागपुर नगर नियम अधिनियम, 1948 (1950 का सी पी और वरग II के अर्थान्तर्गत "नागपुर नगर नियम" में समाविष्ट क्षेत्र)।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1992 का प्रवृत्त होगी।

[का. म. 316/58/91-ओ टी]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 31st January, 1992

S.O. 94(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 269 UB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following further

amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. S.O. 392(E), dated 31st May, 1989, namely :—

In the Table to the said notification, against serial number 3 relating to 'Appropriate Authority, Ahmedabad', for the existing entries in column 3, the following entries shall be substituted, namely :—

- "(1) The areas declared by State Government of Gujarat under section 22 of the Gujarat Town Planning and Urban Development Act, 1976 (Gujarat Act No. 27 of 1976) as "Ahmedabad Urban Development Area" and the areas comprised in the city of Ahmedabad constituted under section 3 of the Bombay Provincial Municipal Corporation Act, 1949 (Bombay Act No. LIX of 1949) as applicable to the State of Gujarat ;
- (ii) the areas declared by the State Government of Gujarat under section 22 of the Gujarat Town Planning and Urban Development Act, 1976 (Gujarat Act No. 27 of 1976) as 'Surat Urban Development Areas' and the areas comprised in the City of Surat constituted under section 3 of the Bombay Provincial Municipal Corporation Act, 1949 (Bombay Act No. LIX of 1949) as applicable to the State of Gujarat ;
- (iii) the areas declared by the State Government of Gujarat under section 22 of the Gujarat Town Planning and Urban Development Act, 1976 (Gujarat Act No. 27 of 1976) as 'Baroda Urban Development Area' and the areas comprised in the City of Baroda constituted under section 3 of the Bombay Provincial Municipal Corporation Act, 1949 (Bombay Act No. LIX of 1949) as applicable to the State of Gujarat ;
- (iv) the areas comprised in the 'Indore Vikas Pradhikaran' within the meaning of Madhya Pradesh Nagar Tatha Gram Nivesh Adhinivam (No. 23 of 1973) ;
- (v) the areas comprised in the 'Bhopal Municipal Corporation' within the meaning of Madhya Pradesh Municipal Corporation Act, 1956 (No. 23 of 1955) ;
- (vi) the areas comprised in the 'City of Pune' within the meaning of Bombay Provincial Municipal Corporation Act, 1949 (Bombay LIX of 1949) ;
- (vii) the areas comprised in 'Poona Urban Agglomeration' within the meaning of Schedule I of the Urban Land (Ceiling and Regulation) Act, 1976 (other than the areas comprised in the 'City of Pune' within the meaning of the Bombay Provincial Municipal Corporation Act 1949 (BOM-LIX of 1949) ; and

(viii) the areas comprised in the 'Corporation of the City of Nagpur' within the meaning of the City of Nagpur Corporation Act, 1948 (C.P. and Berar II of 1950)."

This notification shall come into force on the 1st day of February, 1992.

[F. No. 316/58/91-O.T.]

का. प्रा. 95 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 पख की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. का. प्रा. 684 (अ) तारीख 24 सितम्बर, 1986 में निम्नलिखित और संशोधित करती है, अर्थात् —

उक्त अधिसूचना में, सारणी के स्तंभ 3 में, "सम्चित प्राधिकरण, मुम्बई" में सर्वाधिकतम क्रम सं. 2 के सामने स्तंभ 3 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् —

"मुम्बई नगरनियम अधिनियम 1888 (1888 का अधिनियम नं. 3) के अर्थान्तर्गत "बृहत्तर मुम्बई में समाविष्ट क्षेत्र"।

यह अधिसूचना 1 फरवरी, 1992 को प्रवृत्त होगी।

[फा. सं. 316/58/91-ओ. टी.]

हेमन्त के. सारंगी, अव्वर सचिव

S.O. 95(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (2) of section 269 UB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. S.O. 684(E), dated the 24th September, 1986, namely :—

In the said notification, in column 3 of the Table, against serial number 2 relating to "Appropriate Authority, Bombay", for the existing entry in column 3, the following entry shall be substituted, namely :—

"The areas comprised in "Greater Bombay" within the meaning of the Bombay Municipal Corporation Act, 1888 (Act No. 3 of 1888)"

This notification shall come into force on the 1st day of February, 1992.

[F. No. 316/58-91-O.T.]

HEMANT K. SARANGI, Under Secy. (O.T.)

